व्याकरण - भाग

लिंग	वचन
विलोम शब्द	काल

* * *

व्याकरण - भाग

लिंग

संज्ञा के जिस रूप से व्यक्ति अथवा वस्तु की जाति का बोध होता है, उसे व्याकरण में लिंग कहते है ।

लिंग के प्रकार :

सजीव वस्तुओं के लिए लिंग निर्णय आसान है । हिन्दी में दो लिंग होते है ।

1. पुंलिंग 2. स्त्रीलिंग

जिस संज्ञा से पुरुषत्व का बोध होता है, उसे पुंलिंग कहते हैं । जैसे- लडका, बैल, बच्चा, बूढा आदि ।

जिस संज्ञा से स्त्री या नारी का बोध होता है, उसे स्त्री लिंग कहते हैं । जैसे लडकी, गाय, बच्ची, बूढी आदि ।

वस्तुओं या अप्राणिवाचक शब्दों का लिंग भेद कठिन है । यह केवल प्रयोग के द्वारा ही जाना जा सकता है । कभी-कभी क्रिया या विशेषण के साथ शब्द प्रयोग करने से लिंग का निर्णय होता है । संज्ञा शब्दो के लिंग-भेद का प्राप्त करना हिन्दी भाषा के लिए अत्यंत आवश्यक है ।

हिन्दी में लिंग निर्णय करना कठिन है । हिन्दी में दो प्रकार से लिंग निर्णय किया जाता है ।

A. शब्द के अर्थ से

B. शब्द के रूप से

A. बहुधा प्राणिवाचक सब्दों का लिंग अर्थ के अनुसार और अप्राणिवाचक शब्दों का लिंग रूप के अनुसार निर्णय करते है । बाकी शब्दों का लिंग केवल व्यवहार के अनुसार ही किया जाता है । लंबे समय से जो शब्द पुलिंग रूप में प्रयुक्त होते आ रहे है, उन्हें उसी कोटि में रख दिया जाता है । उन्हें पुंलिंग या स्त्री लिंग मानने का कोई वैज्ञानिक आधार नही है। इसीलिए नियमों के अपवाद पाये जाते हैं ।

प्राणियों के समुदाय को व्यवहार के अनुसार पुंलिंग या स्त्री लिंग होते हैं जैसे पुलिंग समूह, झुंड, कुटुंब, संघ, दल, मंडल आदि ।

अपवाद - भीड फौज, सभा, प्रजा, सरकार आदि

अप्राणिवाचक के अर्थ और रूप दोनों ही साधनों से इन शब्दों का लिंग जानने में कठिनाई स्पष्ट होगी । एक ही अर्थ के कई अलग - अलग शब्द अलग - अलग लिंग के है । जैसे -

1. नेत्र पुंलिंग है, आँख स्त्रीलिंग है, मार्ग पुंलिंग है ।
2. शरीर के अंगों के नाम पुंलिंग हैं । जैसे बाल, सिर, मस्तक, तालु, ओठ, दाँत, कान, गाल, हाथ, पाँव, नख, रोम इत्यादि ।

   अपवाद - आँख, नाक, जीभ, जाँघ, नस आदि स्त्रीलिंग है ।
3. धातुओं के नाम पुंलिंग शब्द है । जैसे सोना, ताँबा, पीतल, सीसा, काँसा आदि ।

   अपवाद-चाँदी, मिट्टी, धातु आदि स्त्रीलिंग हैं ।
4. रत्नों के नाम पुंलिंग शब्द है । जैसे हीरा, मोती, मणिक, मूँगा, पन्ना आदि पुंलिंग है ।

अपवाद - मणि, चुनी, लालडी आदि स्त्रीलिंग है ।

5. पेड़ के नाम पुंलिंग शब्द हैं । जैसे पीपल, बड, सागौन, अशेक आदि

अपवाद - नीम, जामुन, कचनार आदि स्त्रीलिंग है ।

6. अनाजों के नाम पुंलिंग है । जैसे - गेहूँ, चावल, मटर, उडद, चना, तिल आदि ।

अपवाद - मक्का (मकई), जुआर, मूँग, अरहर आदि स्त्रीलिंग है।

7. द्रवपदार्थो के नाम पुंलिंग शब्द है । जैसे घी, तेल पानी, दही, मट्ठे शरबत, सिरका, अतर, आसव आदि ।

8. जल और स्थल के भागों के नाम पुंलिंग है । जैसे देश, नगर,द्वीप पहाड, समुद्र, सरोवर, आकाश, पाताल, घर आदि ।

अपवाद - नदी, भील, घाटी आदि स्त्रीलिंग है ।

9. ग्रहों के नाम पुलिंग है । जैसे - सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, शनि, राहु, केतु आदि ।

अपवाद - पृथ्वी, धरती स्त्रीलिंग है ।

B. अर्थ के अनुसार निम्नलिखित शब्द स्त्रीलिंग है -

1. नदियों के नाम - गंगा, यमुना, नर्मदा, कृष्णा, गोदावरी आदि ।

अपवाद - सिंधु, ब्रह्मपुत्र ।

2. तिथियों के नाम परिवा, दूजा, तीज, चौथ, आदि ।
3. नक्षत्रों के नाम - अश्विनी, भारणी, कृत्तिका, रोहिणी आदि ।
4. किराने के नाम लौंग, इलायची, सुपारी, जावित्री, दालचीनी आदि।
5. भोजनों के नाम पूरी, कचौरी, खीर, दाल, रोटी, तरकारी खिचड़ी आदि ।

अपवाद - भात, रायता, हलुवा, आदि पुंलिंग

अब संज्ञाओं के रूप के अनुसार लिंग निर्णय करने के कुछ नियम है। ये नियम भी अपूर्ण हैं । हिन्दी, संस्कृत और उर्दू शब्द भी आते हैं। इसीलिए भाषाओं के शब्दों का अलग - अलग विचार करना होगा ।

हिन्दी शब्द

पुंलिंग

1. आकारांत संज्ञाएँ - कपडा, गन्ना, पैसा, पहिया, आटा, चमडा आदि।

अपवाद - खटिया, डिबिया, ढिलिया आदि ।

2. भाववाचक संज्ञाओं के अंत में ना, पन, पा, अव आने से जैसे आना गाना, चढाव, बुढापा आदि ।

स्त्रीलिंग

1. तकारांत संज्ञाएँ - रात, बात, लात, छत आदि ।

अपवाद - भात, खेत, सूत, दाँत आदि ।

2. उकारांत संज्ञाएँ - लू, दारू, झाड़ू, आदि ।

अपवाद - आँसू, आलू, रतालू आदि ।

3. सकारांत संज्ञाएँ - प्यास, मिठास, रास (लगाम), बाँस, साँस अदि।

अपवाद - निकास, कॉस, रास (नृत्य) आदि ।

4. अकारांत संज्ञाएँ - लूट, मार, समझ, दौड, संभाल, चमक, छाप, पुकार आदि ।

अपवाद - खेल, नाच, मेल, बोल, उतार आदि ।

5. भाववाचक संज्ञाओं के अंत में हट, वट, ता, ट से सजावट, बनावट, चिकनाहट, चिल्लाहट, घबराहट, झंझट, आहट आदि ।

6. संज्ञओं के अंत में 'ख' होता है जैसे ईख, भूख, चोख, कोख, देखरेख, लाख आदि ।

अपवाद - पाख, रूख आदि ।

संस्कृत शब्द

पुंलिंग

1. संज्ञाओं के अंत में 'त्र' आने से जैसे चित्र, क्षेत्र, पात्र, नेत्र, गोत्र, चरित्र, शस्त्र आदि ।
2. 'न' अंत संज्ञा - जैसे - पालन, पोषण, दमन, वचन, नयन, हरण आदि ।

   अपवाद - पवन उभयलिंग है ।
3. 'ज' से अंत संज्ञाएँ - जलज, पिंडज, सरोज आदि ।
4. भाववाचक संज्ञाओं के अंत में 'त्य', 'त्व', 'वा' 'र्य' आने से जैसे सतीत्व, बृहत्व, नृत्य, कृत्य, लाघव, गौरव, माधुर्य, धैर्य आदि ।
5. जिन शब्दों के अंत में 'आर', आय', 'वा', 'आस' हो - जैसे - विकार, विस्तार, संसार, अध्याय, उपाय, समुदाय, उल्लास, विलास, हास आदि ।
6. 'त' प्रत्ययांत संज्ञाएं जैसे चरित, फलित, गणित, मत, गीत, स्वागत, आदि ।
7. जिनके अंत में 'ख' हो जैसे नख, सुख, दुःख, लेख, शंख आदि।

स्त्रीलिंग

1. 'अ' कारंत संज्ञाएँ जैसे दया, कृपा, लज्जा, क्षमा, शोभा, सभा आदि।
2. 'न' कारांत संज्ञाएँ जैसे प्रार्थना, वेदना, प्रस्तावना, रचना, घटना आदि ।

3. 'उ' कारांत संज्ञाएँ - जैसे वायु, रेणु, मृत्यु, आयु, वस्तु, धातु, ऋतु आदि ।

   अपवाद - मधु, तालु, हेतु, सेतु आदि ।
4. जिनके अंत में 'ति', 'वा', 'नि' हो जेसे गति, मति, जाति, रीति, हानि, ग्लानि, बुद्धि, सिद्धि आदि ।
5. 'ता कारांत भाववाचक संज्ञाएँ जैसे नम्रता, लघुता, सुंदारता, कायरता, बीरता, धीरता, शूरता आदि ।
6. 'इ' कारांत संज्ञाएँ जेसे आदि । निधि, विधि, परिधि, राशि, अग्नि, रुचि आदि ।
7. 'इमा' प्रत्ययांत शब्द जैसे महिमा, गरिमा, कालिमा, लालिमा, आदि।

उर्दू शब्द

पुंलिंग

1. जिसके अंत में 'आब' हो जैसे गुलाब, हिसाब, जवाब आदि ।
2. जिसके अंत में 'आर' या 'आन' हो जैसे बाजार, इनकार, मकान, सामान, इंतिहान आदि ।

   अपवाद - दूकान, सरकार, तकरार आदि ।
3. जिसके अंत में 'आ' हो जैसे परदा, गुस्सा किस्सा, रास्ता, चश्मा आदि ।

   अपवाद - दफा ।

स्त्रीलिंग

1. 'ई' कारांत भाववाचक संज्ञाएँ जैसे गरमी, सरदी, बीमारी, चालाकी, तैयारी, नवाबी आदि ।
2. 'श' कारांत संज्ञाएँ - कोशिश, तलाश, बारिश, मालिश आदि ।

   अपवाद - ताश, होश

3. 'त' कारांत संज्ञाएँ - जैसे - दौलत, कसरत, अदालत, कीमत, मुलाकात आदि ।

4. 'आ' कारांत संज्ञाएँ - जैसे - हवा, दवा, सजा, दुनिया आदि ।
अपवाद - मजा उभयलिंग है और दगा पुंलिंग है ।

5. 'ह' कारांत संज्ञाएँ - जैसे - सुबह, तरह, राह, आह, सलाह आदि
अपवाद - माह, गुनाह आदि ।

लिंग परिवर्तन के नियम :

हिन्दी में अधिकतर शब्द पुंलिंग पाये जाते हैं । उन्हीं में कुछ परिवर्तन करके उन्हें स्त्रीलिंग बना दिया जाता है । लिंग परिवर्तन प्रमुखतः तीन प्रकार के है ।

1. शब्द के अंत में स्त्री प्रत्यय लगाकर ।
2. स्त्रीवाचक भिन्न शब्दों का प्रयोगकर ।
3. पुंलिंग शब्द के पहले कोई स्त्रीवाचक या पुरुषवाचक शब्द लगाकर।

(1) 'ई' प्रत्यय द्वारा लिंग परिवर्तन :

(क) संबंधवाचक और प्राणिवाचक 'अ' कारंत या 'आ' कारंत पुंलिंग संज्ञा ओं के अंत में 'अ' या 'आ' के स्थान में 'ई' प्रत्यय लगाने से स्त्रीलिंग शब्द बनते है । जैसे

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
दादा	दादी	लड़का	लड़की
नाना	नानी	कबूतर	कबूतरी
बेटा	बेटी	हिरण	हिरणी
सुंदर	सुंदरी	दास	दासी
पुत्र	पुत्री	कुमार	कुमारी
तरुण	तरुणी	अध्यापक	अध्यापिका

(ख) व्यवसायवाचक संज्ञाओं में 'इन' प्रत्यय लगाने से -

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
माली	मालिन	भिखारी	भिखारिन
मालिक	मालिकिन	पापी	पापिन
सुनार	सुनारिन	लुहार	लुहारिन
भंगी	भंगिन	धोबी	धोबिन
तेली	तेलिन	जोगी	जोगिन

(ग) कई 'इ' कारांत, 'उ' कारांत और 'ए' कारांत शब्दों के स्त्रीलिंग बनाने के लिए 'ई', 'उ' और 'ए' को 'आइन' प्रत्यय से बदल देते हैं।

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
चौधरी	चौधराइन	गुरु	गुरुआइन
पंडा	पंडाइन	ठाकुर	ठकुराइन

(घ) कई प्राणिवाचक संज्ञ ओं के अंत में 'नी' प्रत्यय लगाने से स्त्रीलिंग बनजाता है ।

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
ऊँट	ऊँटनी	मोर	मोरनी
हाथी	हथनी	सिंह	सिंहनी
सियार	सियारिन	भील	भीलनी
शेर	शेरनी		

(ङ) कई वर्णवाचक और संबंधवाचक संज्ञाओं के अंत में 'आनी' प्रत्यय लगाने से स्त्रीलिंग बन जाता है ।

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग

सेठ	सेठानी	भव	भवनी
रुद्र	रुद्राणी	जेठ	जेठानी
देवर	देवरानी	नौकर	नौकरानी

(च) उपनामवाचक संज्ञाओं के अंत में प्रायः 'आइन' प्रत्यय लगाया जाता है।

पुंलिंग	स्त्रीलिंग	पुंलिंग	स्त्रीलिंग
ठाकुर	ठकुराइन	मिसर	मिसराइन
पंडित	पंडिताइन	चौधर	चौधराइन

(ज) 'आ' प्रत्यय जोड़ने से

अनुज	अनुजा	प्रिय	प्रिया
सदस्य	सदस्या	वृद्ध	वृद्धा
शिष्य	शिष्या	छात्र	छात्रा
बाल	बाला	महाशय	महाशया

(झ) 'इया' प्रत्यय के जोड़ने से ('अ' का 'इया' होना)

चूहा	चुहिया	बेटा	बिटिया
बन्दर	बंदरिया	डिब्बा	डिबिया
कुत्ता	कुतिया	गुड्डा	गुड़िया

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि हिन्दी में लिंग निर्धारण के पीछे कुछ नियम तो बनाये गये है, लेकिन उनके भी कुछ अपवाद सामने आते हैं। अतः हिन्दी में लिंग निर्धारण परंपरा से ही की जा सकती है।

'लिंग' विषय पर अभ्यासार्थ प्रश्न

प्रश्न 1: निम्नलिखित शब्दों का लिंग बदलिए।

प्रश्न 1: (शेरनी, अध्यापिका, बेटी, हथिनी, ठकुराइन)

1. शेर - ______
2. अध्यापक ______
3. बेटा - ______
4. हाथी - ______
5. ठाकुर - ______

प्रश्न 2: निम्नलिखित वाक्यों में सही लिंग वाला शब्द भरिए।

(लडकी, मोरनी, नौकरानी, रानी, सिंहनी)

1. मोर नाचा, ______ देखती रही।
2. लड़का खेल रहा था, ______ खेल रही थी।
3. राजा को देखकर ______ मुस्कराई।
4. नौकर ने दरवाज़ा खोला, फिर ______ चाय लेकर आई।
5. सिंह जंगल का राजा है, और उसकी ______ जंगल की रानी है।

प्रश्न 3: सही लिंग वाले शब्द चुनकर वाक्य पूरा कीजिए।

1. बच्चा तेज दौड़ रहा है, ______ पीछे रह गई।
2. अध्यापक पढ़ा रहा था, और ______ ध्यान से सुन रही थी।
3. वह अच्छा गायक है, और उसकी बहन एक प्रसिद्ध ______ है।
4. मोर उड़ गया, लेकिन ______ वहीं खड़ी रही।
5. बालक पढ़ा रहा थे, और ______ ध्यान से सुन रही थीं।
6. वह एक ईमानदार चौकीदार है, और उसकी पत्नी एक मेहनती ______ है।

7. शेर दहाड़ रहा था, और ______ अपने बच्चों की रक्षा कर रही है

8. वह एक अच्छा अभिनेता है, लेकिन उसकी बहन एक महान ______ है।

9. धोबी कपड़े धो रहा था और ______ उन्हें सुखा रही थी।

10. सेठ बाजार गया है, और ______ घर पर है।

11. नौकर ने चाय बनाई, और ______ ने नाश्ता परोसा।

12. राजा दरबार में है, और ______ महल में है।

वचन

परिभाषा (Definition) :

वचन उस रूप को कहते हैं जिससे एक या एक से अधिक व्यक्ति, वस्तु, प्राणी आदि का बोध होता है।

वचन के प्रकार (Types of Vachan) :

हिन्दी में वचन के दो प्रकार होते हैं :

1. **एकवचन** (Singular Number)
2. **बहुवचन** (Plural Number)

1. एकवचन :

जिस शब्द से केवल एक व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान या भाव का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं।

उदाहरण :

- लड़का
- फूल
- बच्चा
- किताब
- नदी

वाक्य में प्रयोग :

- लड़का खेल रहा है।
- लड़की खेल रही है।

2. बहुवचन :

जिस शब्द से एक से अधिक व्यक्तियों, वस्तुओं प्राणियों आदि का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं।

उदाहरण :

- लड़के
- बच्चे
- किताबें
- नदीयाँ

वाक्य में प्रयोग :

- लड़के खेल रहे हैं।
- लड़कियाँ खेल रही हैं।

वचन बदलने के नियम

संज्ञा शब्दों में वचन परिवर्तन के नियम :

एकवचन	बहुवचन	नियम/उदाहरण
लड़का	लड़के	'आ' → 'ए'
बच्चा	बच्चे	'आ' → 'ए'
लड़कि	लड़कियाँ	'ई' → 'इयाँ'
फूल	फूल	कोई परिवर्तन नहीं (अपरिवर्तनीय)
गधा	गधे	'आ' → 'ए'
पुस्तक	पुस्तकें	'क' → 'कें'
पक्षी	पक्षी	कोई परिवर्तन नहीं

विशेष ध्यान देने योग्य शब्द (अपवाद) :

कुछ शब्दों के बहुवचन में विशेष नियम नहीं होते, ये अपवाद होते हैं।

एकवचन	**बहुवचन**
आदमी	आदमी / आदमियों
पानी	पानी (बहुवचन नहीं)
दाल	दाल
नमक	नमक (बहुवचन नहीं)

सर्वनाम (Pronouns) के वचन रूप :

एकवचन	**बहुवचन**
वह	वे
यह	ये
तू	तुम / आप
मुझ	हम
तुझ	तुम्हें / आप

क्रिया रूप में वचन परिवर्तन :

हिन्दी में वचन का प्रभाव क्रिया (Verb) पर भी पड़ता है।

उदाहरण :

लड़का जा रहा है। एक वचन (है)

लड़के जा रहे हैं। बहुवचन (हैं)

वह खाना खा रहा है। एक वचन (हैं)

वे खाना खा रहे हैं। बहुवचन (हैं)

अभ्यास (Exercise) :

प्रश्न 1: निम्नलिखित शब्दों को बहुवचन में बदलिए :

1. बच्चा - ______
2. लड़की - ______

3. गाड़ी - ______
4. फूल - ______
5. किताब - ______

प्रश्न 2: सही वचन चुनिए :

1. वे (खेल रहा है / खेल रहे हैं)।
2. लड़की (गई / गए)।
3. बच्चे (सोया / सोये)।
4. वह (आए / आया)।
5. किताबें (रखी है / रखी हैं)।

उत्तरमाला :

प्रश्न 1: के उत्तर :

1. बच्चे
2. लड़कियाँ
3. गाड़ियाँ
4. फूल (कोई परिवर्तन नहीं)
5. किताबें

प्रश्न 2: के उत्तर :

1. खेल रहे हैं
2. गई
3. सोये
4. आया
5. रखी हैं

कुछ शब्द जो एक वचन और बहुवचन दोनों में समान रहते हैं।

शब्द रूप	**(एकवचन व बहुवचन दोनों में)**
पानी	पानी
फूल	फूल
नमक	नमक
दूध	दूध

शब्द रूप	**(एकवचन व बहुवचन दोनों में)**
मछली	मछली / मछलियाँ (दोनें चलता है)

उभयवचन / संदिग्ध शब्द (Ambiguous Words)

कुछ शब्द ऐसे होते हैं जिनका बहुवचन और एकवचन रूप एक जैसा होता है, लेकिन अर्थ संदर्भ से समझा जाता है।

वाक्य	**अर्थ**
पुलिस आ गई।	एक या अधिक दोनों के लिए चलता है
जनता क्रोधित है।	बहुवचन होते हुए भी एकवचन क्रिया का प्रयोग
भीड़ जमा हो गई।	बहुवचन जैसा समूह, लेकिन एकवचन क्रिया

विशेष प्रयोग :

सम्मानवाचक वचन :

जब किसी एक व्यक्ति को आदर या सम्मान देने के लिए हम बहुवचन का प्रयोग करते हैं, तो उसे सम्मानवाचक बहुवचन कहा जाता है।

उदाहरण :

- आप कहाँ जा रहे हैं ? (यहाँ 'आप' एक व्यक्ति के लिए हो सकता है)
- पिताजी आ गए हैं।
- प्रधानाचार्य ने बच्चों को पुरस्कार दिए।

नोट : क्रिया बहुवचन में आती है, भले ही कर्ता एक व्यक्ति हो।

अभ्यास हेतु कठिन शब्दों के वचन रूप :

एकवचन	**बहुवचन**	**नियम/उदाहरण**
1. स्त्री	स्त्रियाँ	'ई' → 'इयाँ' नियम
2. नारी	नारियाँ	'ई' → 'इयाँ' नियम
3. लड़की	लड़कियाँ	'ई' → 'इयाँ' नियम
4. पुस्तक	पुस्तकें	'क' → 'कें' नियम
5. बालक	बालक/बालकों	दोनों रूप चलते हैं
6. छात्र	छात्र /छात्रगण	''गण'' = समूह
7. गुरु	गुरु / गुरुगण	विशेष बहुवचन
8. राजा	राजा / राजागण	संस्कृतनिष्ठ बहुवचन
9. अध्यापक	अध्यापक / अध्यापकगण	सम्मानवाचक बहुवचन
10. जन	जन / जनसमूह	सामूहिक संज्ञा
11. बकरी	बकरियाँ	'ई' → 'इयाँ' नियम
12. गाय	गायें	'य' → 'यें' नियम
13. भूत	भूत	उपरिवर्तनीय
14. सैनिक	सैनिक / सैनिकों	दोनों रूप मान्य
15. बच्चा	बच्चे	'आ' → 'ए' नियम
16. चूहा	चूहे	'आ' → 'ए' नियम
17. दादी	दादियाँ	'ई' → 'इयाँ' नियम
18. किताब	किताबें	'ब' → 'बें' नियम
19. कुआँ	कुएँ	अनुस्वार हटता है
20. बर्तन	बर्तन	अपरिवर्तनीय

कुछ विशिष्ट या भ्रमित करने वाले शब्दों के वचन :

एकवचन	बहुवचन	टिप्पणी
आँख	आँखें	रूप बदलता है
हाथ	हाथ	अपरिवर्तनीय
दाँत	दाँत	स्वरूप वही
बाल	बाल	बहुवचन वही रहता है
नाक	नाकें	कम प्रचलित बहुवचन
पैर	पैर	कौी परिवर्तन नहीं
पानी	पानी	गिनती नहीं होती
दूध	दूध	अपरिवर्तनीय

एकवचन	बहुवचन	टिप्पणी
जनता	जनता	सामूहिक, बहुवचन रूप वही रहता है
पुलिस	पुलिस	एकवचन रूप चलता है

मुख्य बिंदु :

- वचन दो प्रकार के होते हैं - एकवचन और बुहवचन
- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया - सभी पर वचन का प्रभाव पड़ता है
- कुछ शब्द वचन रूप में परिवर्तन नहीं करते (अपरिवर्तनीय शब्द)
- क्रिया हमेशा कर्ता (Subject) के वचन के अनुसार बदलती है

विलोम शब्द

विलोम शब्द वह शब्द होते हैं, जो अपने अर्थ के विपरी तया उल्टे होते हैं। इन शब्दों का उपयोग भाषा में विविधता और व्यंग्य को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है। यह एक मजेदार और रचना त्मक तकनीक है, जिसका प्रयोग उच्चस्तरीय लेखन, कविता और भाषा कला में किया जाता है।

विलोमशब्दों के उदारहण :

1. अंधकार - ज्योति
2. खुशी - दुःख
3. बड़ा - छोटा
4. सफलता - असफलता
5. सच - झूठ
6. आनंद - दुःख
7. सजीव - मृत

विपरीतार्थक या विपरीत अर्थ देनेवाले शब्द निम्नलिखित विधियों से बनते हैं:

1. लिंग - परिवर्तन के द्वारा विलोम शब्द :

जैसे - भाई - बहन, राजा-रानी, वह - वधू, लड़का - लडकी गाय-बैल, कुत्ता-कुतिया, इत्यादि ।

2. भिन्न जातीय शब्द के द्वारा विलोम शब्द :

जैसे - अधम-उत्तम, अधिकतम - न्यूनतम, अनुराग - विराग, आजाद-गुलाम, आगे - पीछे, कड़वा - मीठा इत्यादि ।

3. उपसर्ग की सहायता से विलोम शब्द :

जैसे - आस्था-अनास्था, अस्वस्थ-स्वस्थ, मान-अपमान, अल्पायु-दीर्घायु, अंतर्मुखी - बहिर्मुखी, इत्यादि ।

4. उपसर्ग के समान प्रयुक्त होने वाले शब्दों के परिवर्तन से विलोम शब्द :

जैसे - गणतंत्र - राजतंत्र, अल्पसंख्यक-बहुसख्यक, उत्तरायण-दक्षिणायम, एकतंत्र - बहुतंत्र, उदयाचल-अस्ताचल, विशालकाय-लघुकाय, इत्यादि ।

अभ्यासार्थ : विलोम शब्द

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
आगमन	प्रस्थान	अच्छा	बुरा
अंधकार	प्रकाश	अधिक	कम
अमीर	गरीब	आकाश	पाताल
आरंभ	अंत	आसान	कठिन
आशा	निराशा	उन्नति	अवनति
उपकार	अपकार	उत्तम	निकृष्ट
उत्साह	निरुत्साह	एकता	फूट / अलगाव
गुरु	लघु	ज्ञान	अज्ञान
जन्म	मृत्यु	जाग्रत	सुप्त
जल्दी	देर	जीवन	मरण
दिन	रात	धूप	छाँव
नया	पुराना	नम्र	घमंडी
पाप	पुण्य	प्यार	नफरत
प्रिय	अप्रिय	प्रश्न	उत्तर
बहादुर	डरपोक	स्वतंत्रता	परतंत्रता
सुख	दुख	हार	जीत
सच्चाई	झूठ	शांति	अशांति
सज्जन	दुर्जन	सफल	असफल
विश्वास	अविश्वास	विनम्र	अहंकारी
मित्र	शत्रु	खाली	भरा
तीव्र	मंद	ताजगी	थकावट
धर्म	अधर्म	दोस्ती	दुश्मनी
लाभ	हानि	ऊपर	नीचे

यश	अपयश	युवा	वृद्ध
स्वर्ग	नर्क	जीवन्त	निर्जीव
सच्चा	झूठा	सर्दी	गर्मी
लाभ	हानि	शुरू	खतम
उदार	कंजूस	उपस्थिति	अनुपस्थिति
रक्षक	भक्षक	क्रय	विक्रय
शुद्ध	अशुद्ध	भूत	भविष्य

विलोम शब्द – प्रश्नोत्तर – अभ्यासार्थ

प्रश्न 1: निम्न लिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए ।

1. उजाला
2. गरम
3. सफलता
4. स्वतंत्रता
5. प्रेम

उत्तर :

1. उजाल - अँधेरा
2. गरम - ठंडा
3. सफलता - असफलता
4. स्वतंत्रता - दासता
5. प्रेम - द्वेष

प्रश्न 2: रिक्तस्थों की पूति विलोम शब्दों ले कीजिए ।

1. ज्ञान का विलोम ______ होता है ।
2. सच का विलोम ______ होता है ।
3. अमीर का विलोम ______ होता है ।

उत्तर :

1. अज्ञान
2. झूठ
3. गरीब

प्रश्न 3: निम्न लिखित वाक्यों में विलोम शब्द भरकर वाक्य को पूरा कीजिए।

1. राम बहुत चतुर है, परस्थान ______ है।
2. रात्रि के समय अंधकार होता है, जब कि दिन में ______ होता है।
3. दिन में उजाला होता है, और रात में ______ होता है।
4. सच्चाई की हमेशा जीत होती है, और ______ की हार।
5. अमीर व्यक्ति के पास, धन होता है, जबकि ______ व्यक्ति के पास नहीं होता।
6. शांत वातावरण में पढ़ाई अच्छी होती है, लेकिन ______ वातावरण में नहीं।
7. सुख और ______ जीवन के दो पहलू हैं।
8. तेज चलने वाला पहले पहुँचेगा, ______ चलने वाला पीछे रह जाएगा।
9. सूरज के निकलने पर प्रकाश फैलता है, और डूबने पर ______।
10. स्वतंत्र देश अपना निर्णय स्वयं लेता है, लेकिन ______ देश नहीं
11. शीत ऋतु में ठंड होती है, और ग्रीष्म ऋतु में ______।
12. चतुर बालक हर समस्या का हल निकाल लेता है, लेकिन ______ बालक नहीं।

उत्तर :

1. मूर्ख	2. प्रकाश	3. अंधेरा
4. झूठ	5. गरीब	6. अशांत
7. दुख	8. धीमा	9. अंधकार
10. परतंत्र	11. गर्मी	12. मूर्ख

काल (Tense)

काल की परिभाषा

क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने के समय का पता चले उसे काल कहते हैं। दूसरे शब्दों में - जिस रूप से क्रिय के होने के समय का बोध हो, उसे काल कहते हैं। क्रिया में समय की जानकारी देने वाला तत्व 'काल' कहलाता है।

काल तीन प्रकार के होते हैं :

1. भूतकाल (Past Tense)
2. वर्तमान काल (Present Tense)
3. भविष्य काल (Future Tense)

1. भूतकाल (Past Tense) :

(i) सामान्य भूतकाल
(ii) आसन्न भूतकाल
(iii) पूर्ण भूतकाल
(iv) अपूर्ण भूतकाल
(v) संदिग्ध भूतकाल
(vi) हेतुहेतुमद् भूतकाल

(i) सामान्य भूतकाल

जब क्रिया के होने की समाप्ति सामान्य रूप से बीते हुए समय में होती है, किन्तु इससे यह बोध नहीं होता कि क्रिया समाप्त हुए थोड़ी देर हुई है या अधिक, वहाँ सामान्य भूतकाल होता है। इस दौरान यह निश्चित नहीं कर सकते कि भूतकाल में यह कार्य किस समय किया गया है और जिन वाक्यों के अंत में आ, ई, ए, था, थी, थे आते हैं, वे सामान्य भूतकाल होता है।

जैसे -

नेता जी ने भाषण दिया ।

अकबर ने पुस्तक पढ़ी

कुसुम घर गयी ।

(ii) आसन्न भूतकाल

आसन्न का अर्थ होता है - निकट । जिस क्रिया के अभी-अभी या निकट के भूतकाल में पूरा होने का पता चले उसे आसन्न भूतकाल कहते हैं । अर्थात क्रिया के जिस रूप से हमें यह पता चले की क्रिया अभी कुछ समय पहले ही पूर्ण हुई है, उसे आसन्न भूतकाल कहते हैं ।

जैसे -

मैं ने आम खाया है ।

सीता अभी सोकर उठी हूँ ।

कमल गया है ।

(iii) पूर्ण भूतकाल

क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता है की कार्य निश्चित किये गये समय से पहले ही पूरा हो चूका था, उसे पूर्ण भूतकाल कहते हैं ।

दूसरे शब्दों में - कार्य के पूर्ण होने के स्पष्ट बोध को पूर्ण भूतकाल कहते हैं । जिन वाक्यों के अंत में था, थी, थे, चूका था, चुकी थी, चुके थे आदि आते हैं, वो पूर्ण भूतकाल होता है ।

जैसे -

वरुण ने कहानी लिखी थी ।

राम ने खाना बनाया था ।

हम घूमने गए थे ।

(iv) अपूर्ण भूतकाल

क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता है कि कार्य भूतकाल में पूरा नहीं हुआ था अपितु नियमित रूप से जारी रहा, उसे अपूर्ण भूतकाल कहते हैं ।

अथार्त क्रिया के जिस रूप से कार्य के भूतकाल में शुरु होने का पता चले लेकिन खत्म होने का पता न चले, उसे अपूर्ण भूतकाल कहते हैं । जिन वाक्यों के अंत में रहा था, रही थी, रहे थे आदि आते हैं, वे अपूर्ण भुतकाल होते हैं ।

जैसे -

मोहन मैदान में घूम रहा था ।

वह हॉकी खेल रहा था ।

सुनील पढ़ रहा था ।

(v) संदिग्ध भूतकाल

भूतकाल की जिस क्रिया से कार्य होने में अनिश्चितता अथवा संदेह प्रकट हो, उसे संदिग्ध भूतकाल कहते है । इसमें यह सन्देह बना रहता है कि भूतकाल में कार्य पूरा हुआ या नही । क्रिया के जिस रूप से अतीत में हुए या किये हुए कार्य पर संदेह प्रकट किया जाये, उसे संदिग्ध भूतकाल कहते हैं। जिन वाक्यों के अंत में गा, गे, गी आदि आते हैं, वे संदिग्ध भुतकाल होते हैं।

जैसे -

तू गाया होगा ।

बस छूट गई होगी ।

दुकानें बंद हो चुकी होगी ।

(vi) हेतुहेतुमद् भूतकाल

'हेतु' का अर्थ है - कारण । जहाँ भुतकाल में किसी कार्य के न हो सकने का वर्णन कारण के साथ दो वाक्यों में दिया गया हो, वहाँ हेतुहेतुमद् भूतकाल

होता है । इससे यह पता चलता है कि क्रिया भूतकाल में होनेवाली थी, पर किसी कारण न हो सकी । क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि कार्य हो सकता था लेकिन दूसरे कार्य की वजह से हुआ नहीं, उस हेतुहेतुमद् भूतकाल कहते हैं ।

जैसे -

यदि वर्षा होती तो फसल अच्छी होती ।

यदि मैं आता तो वह चला जाता ।

यदि श्याम ने पत्र लिखा होता तो, वह अवश्य आता ।

2. वर्तमान काल (Present Tense)

क्रिया के जिस रूप से यह पता चले की काम अभी हो रहा है, उसे वर्तमान काल कहते हैं । अथार्त क्रिया के जिस रूप से समय का पता चले और क्रिया के होने का वर्तमान समय में पता चले, उसे वर्तमान काल कहते हैं ।

वर्तमान काल के प्रकार

(i) सामान्य वर्तमान काल

(ii) अपूर्ण वर्तमान काल

(iii) पूर्ण वर्तमान काल

(iv) संदिग्ध वर्तमान काल

(v) तात्कालिक वर्तमान काल

(vi) संभाव्य वर्तमान काल

(i) सामान्य वर्तमान काल

क्रिया के जिस रूप से कार्य की पूर्णता और अपूर्णता का पता न चले उसे सामान्य वर्तमान काल कहते हैंम ।

दूसरे शब्दों में - जिस क्रिया से क्रिया के सामान्य रूप का वर्तमान में होने का पता चलता है, उसे सामान्य वर्तमान काल कहते हैं । जिन वाक्यों के

अंत में ता है, ती है, ते है, ता हूँ, ती हूँ आदि आते हैं उसे सामान्य वर्तमान काल कहते है ।

जैसे -

गरिमा कविता लिखती है ।

चिड़िया आसमान में उड़ती है ।

(ii) अपूर्ण वर्तमान काल

अपूर्ण का अर्थ होता है - अधूरा । क्रिया के जिस रूप से कार्य के लगातार होने का पता चलता है, उसे अपूर्ण वर्तमान काल कहते है । जिन वाक्यों के अंत में रहा है, रहे है, रही है, रहा हूँ आदि आते है, उसे अपूर्ण वर्तमान काल कहते हैं ।

जैसे -

श्याम गेंद खेल रहा है ।

वह घर जा रहा है ।

अनीता गीत गा रही है ।

(iii) पूर्ण वर्तमान काल

क्रिया के जिस रूप से कार्य के अभी पूरे होन का पता चलता है । उसे पूर्ण वर्तमान काल कहते है । इसमें हमें कार्य की पूर्ण सिद्धि का पता चलता है ।

जैसे -

मैंने फल खाए हैं ।

उसने गेंद खेली है ।

वह आया है ।

(iv) संदिग्ध वर्तमान काल

क्रिया के जिस रूप से वर्तमान काल क्रिया के होने या करने पर शक हो, उसे संदिग्ध वर्तमान काल कहते है । अथार्त जिन वाक्यों के अंत में ता होगा, ती होगी, ते होंगे आदि आते हैं, उसे संदिग्ध वर्तमान काल कहते हैं।

जैसे -

माँ खाना बना रही होगी ।

वाक्य में 'रही होगी' से खाना बनाने के कार्य को निश्चित रूप से नहीं कहा गया, उसमें संदेह की स्थिति बनी हुई है, अतः यहां संदिग्ध वर्तमान है।

(v) तात्कालिक वर्तमान काल

क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता हो कि कार्य वर्तमान में हो रहा है, उसे तात्कालिक वर्तमान काल कहते हैं । इसमें बोलते समय क्रिया का व्यापार चलता रहता है । इसमें इसकी पूर्णता का पता नहीं चलता है।

जैसे -

मै पढ़ रहा हूँ ।

वह जा रहा है ।

हम कपड़े पहन रहे हैं ।

(vi) संभाव्य वर्तमान काल

संभाव्य का अर्थ होता है संभावित या जिसके होने की संभावना हो। इससे वर्तमान काल में काम के पूरे होने की संभावना होती है उसे संभाव्य वर्तमान काल कहते हैं ।

जैसे -

वह आया हो ।

वह लौटा हो ।

वह चलता हो ।

3. भविष्य काल (Future Tense)

भविष्य काल

भविष्य में होनेवाली क्रिया को भविष्य काल की क्रिया कहते है । क्रिया के जिस रूप से क्रिया के आने वाले समय में पूरा होने का पता चले उसे भविष्य काल कहते हैं । इससे आने वाले समय का पता चलता है । जिन वाक्यों के अंत में गा, गे, गी आदि आते हैं ।

दूसरे शब्दो में - क्रिया के जिस रूप से काम का आने वाले समय में करना या होना प्रकट हो, उसे भविष्य काल कहते है ।

जैसे -

मैं कल विद्यालय जाउँगा ।

खाना कुछ देर में बन जायेगा ।

राजू देर तक पढ़ेगा ।

भविष्य काल के प्रकार

(i) सामान्य भविष्य काल

(ii) संभाव्य भविष्य काल

(iii) हेतुहेतुमद् भविष्य काल

(i) सामान्य भविष्य काल

क्रिया के जिस रूप से क्रिया के सामान्य रूप का भविष्य में होने का पता चले उसे सामान्य भविष्य काल कहते हैं । अथार्त जिन शब्दों के अंत में ए गा, ए गी, ए गे आदि आते हैं उन्हें सामान्य भविष्य काल कहते हैं । इससे क्रिया के भविष्य में होने का पता चलता है ।

जैसे -

वह खाना खाएगी ।

बच्चे खेलने जायेंगे ।

वह घर जायेगा।

दीपक अख़बार बेचेगा।

(ii) संभाव्य भविष्य काल

क्रिया के जिस रूप से आगे कार्य होने या करने की संभावना का पता चले, उसे संभाव्य भविष्य काल कहते हैं। इसमें क्रियाओं का निश्चित पता नहीं चलता। इसमें भविष्य में किसी कार्य के होने की संभवना होती है।

जैसे -

शायद चोर पकड़ा जाए।

परीक्षा में शायद मुझे अच्छे अंक प्राप्त हों।

हो सकता है कि मैं कल वहाँ जाऊँ।

उपर्युक्त वाक्यों में क्रियाओं के भविष्य में होने की संभावना है। ये पूर्ण रूप से होंगी, ऐसा निश्चित नहीं होता। अतः ये संभाव्य भविष्य काल की क्रियाएँ हैं।

(iii) हेतुहेतुमद् भविष्य काल

क्रिया के जिस रूप से एक कार्य का पूरा होना दूसरी आने वाले समय की क्रिया पर निर्भर हो, उसे हेतुहेतुमद् भविष्य काल कहते है। इसमें एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया पर निर्भर होता है।

जैसे -

यदि छुट्टियाँ होंगी तो मैं आगरा जाऊँगा।

अगर तुम मेहनत करोगे तो फल अवश्य मिलेगा।

वह आये तो मैं जाऊँ।

वह कमाये तो मैं खाऊँ।

संभाव्य प्रश्न :

1. काल की परिभाषा लिखते हुए उसके प्राकरों का वर्णन कीजिए।

...त्मक प्रश्न :

1. "मैंने पत्र लिखा" किस काल का वाक्य है ?
   a) वर्तमान काल b) भूतकाल
   c) भविष्यत् काल d) इनमें से कोई नहीं
2. "वह कल आएगा" में कौन सा काल है ?
   a) भूतकाल b) वर्तमान काल
   c) भविष्यत् काल d) इनमें से कोई नहीं
3. "बच्चे खेल रहे हैं" में कौन सा काल है ?
   a) भविष्यत् काल b) वर्तमान काल
   c) भूतकाल d) इनमें से कोई नहीं
4. "मैं कल बाजार जाऊँहा" में कौन सा काल है ?
   a) वर्तमान काल b) भूतकाल
   c) भविष्यत् काल d) इनमें से कोई नहीं
5. "राम स्कूल जाता था" में कौन सा काल है ?
   a) वर्तमानन काल b) भूतकाल
   c) भविष्यत् काल d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर :

1. b) भूतकाल
2. c) भविष्यत् काल
3. b) वर्तमान काल
4. c) भविष्यत् काल
5. b) भूतकाल

1. काल के मुख्य प्रकार कितने होते हैं ?
   a) दो b) तीन
   c) चार d) पाँच

2. **निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य सामान्य भूतकाल का उदाहरण है ?**

a) मैं अभी सोकर उठी हूँ b) नेता जी ने भाषण दिया

c) वह हॉकी खेल रहा था

d) यदि वर्षा होती तो फसल अच्छी होती

3. **''माँ खाना बना रही होगी'' - यह वाक्य किस काल का उदाहरण है ?**

a) तात्कालिक वर्तमान काल b) पूर्ण वर्तमान काल

c) संदिग्ध वर्तमान काल d) अपूर्ण वर्तमान काल

4. **भविष्यकाल के कितने प्रकार होते हैं ?**

a) तीन b) चार c) पाँच d) छह

5. **निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य हेतुहेतुमद् भविष्य काल का उदाहरण है ।**

a) वह काल आएगा b) शायद चोर पकड़ा जाए

c) यदि तुम मेहनत करोगे तो फल अवश्य मिलेगा

d) राजू देर तक पढ़ेगा

उत्तर : 1.b 2. b 3. c 4. a 5. c

कार्यालयीन शब्दवली

परिभाषाः कार्यालयीन शब्दावली (Official Terminology) से तात्पर्य उन विशिष्ट शब्दों और पदों से है, जो किसी कार्यालय, सरकारी संस्था या व्यावसायिक संगठन में नियमित रूप से लिखित या मौखिक संवाद के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं ।

कार्यालयीन शब्दावली का महत्व :

1. **स्पष्टता और सटीकता :**

कार्यालयीन कार्यों में संप्रेषण (Communication) को स्पष्ट, संक्षिप्त और प्रभावी बनाती है ।

2. **प्रशासनिक प्रक्रिया में सहूलियत :**

कार्यों के निष्पादन, रिपोर्टिंग, आदेश और निर्देशों के प्रवाह को सहज बनाती है ।

3. **दस्तावेजीकरण में मानकीकरण :**

नोटशीट, पत्र, ज्ञापन, आदेश आदि में एकरूपता बनाए रखने में मदद करती है ।

4. **राजभाषा नीति का अनुपालन :**

हिंदी भाषा में सरकारी कामकाज को बढ़ावा देने में सहायक होती है ।

कार्यालयीन शब्दावली के स्रोत :

1. राजाभाषा विभाग (गुह मंत्रालय, भारत सरकार)
2. सीएसटीटी (Commission for Scientific and Technical Terminology)
3. अधिसूचनाएँ, सरकारी आदेश, नोटिस एवं परिपत्र
4. प्रशासनिक पुस्तिकाएँ और सेवा नियम

कार्यालयीन शब्दावली के प्रकार :

प्रकार	उदाहरण
प्रशासनिक शब्दावली	आदेश, अधिसूचना, ज्ञापन, अनुमोदन
लेखा संबेदी शब्दावली	बजट, चालान, भुगतान, अग्रिम, लेखा परीक्षण
मानव संसाधान (HR) शब्दावली	नियुक्ति, स्थानांतरण, पदोन्नाति, सेवा पुस्तिका
सामान्य पत्राचार शब्दावली	पत्र, परिशिष्ट, अनुबंध, रिपोर्ट, टिप्पणी

अंग्रेज़ी से हिंदी कार्यालयीन शब्दावली (English to Hindi - Official Terminology)

English Word	Hindi Meaning
Application	आवेदन
Appointment	नियुक्ति
Approval	अनुमोदन
Auditor	लेखा परीक्षक
Chairman	अध्यक्ष
Circular	परिपत्र
Committee	समिति
Conference	सम्मेलन
Consent	सहमति
Chancellor	कुलपति
Dearness allowance	महंगाई भत्ता
Decision	निर्णय
Department	विभाग
Designation	पदनाम
Deputation	प्रतिनियुक्ति
Director	निदेशक
Document	दस्तावेज़
Duty	कर्तव्य
Employee	कर्मचारी
Enclosure	संलग्न
Executive	कार्यपालक
Expenditure	व्यय

Government	सरकार
Information	जानकारी
Inspection	निरीक्षण
Instructions	निर्देश
Leave	अवकाश
Letter	पत्र
Meeting	बैठक
Memorandum	ज्ञापन
Ministry	मंत्रालय
Notification	अधिसूचना
Officer	अधिकारी
Order	आदेश
Organization	संगठन
Permission	अनुमति
Policy	नीति
Proposal	प्रस्ताव
Recruitment	भर्ती
Report	प्रतिवेदन
Responsibility	ज़िम्मेदारी
Sanction	स्वीकृति
Secretary	सचिव
Service	सेवा
Signature	हस्ताक्षर

हिंदी से अंग्रेजी कार्यालयीन शब्दावली (Hindi to English - Official Terminology)

हिंदी सब्द	English Meaning
आवेदन	Application
प्रस्ताव	Proposal
नियुक्ति	Appointment
आदेश	Order
अधिसूचना	Notification
ज्ञापन	Memorandum
संकल्प	Resolution
प्रतिवेदन	Report
अनुवादक	Translator
मंत्रालय	Ministry
अनुमति	Permission
सेवा	Service
कर्मचारी	Employee
अधिकारी	Officer
निदेशक	Director
समिति	Committee
संगठन	Organization
सूचना	Information
निर्देश	Instructions
अनुमति	Approval / Permission

दस्तावेज़	Document
निरीक्षण	Inspection
अवकाश	Leave
विभाग	Department
कर्तव्य	Duty
परिपत्र	Circular
आदेश	Directive / Order
पद	Post / Designation
प्रशासन	Administration
भर्ती	Recruitment
स्वीकृति	Sanction / Approval
पत्र	Letter
सम्मेलन	Conference
सुझाव	Suggestion
कार्यालय	Office
प्रयास	Effort
प्रक्रिया	Process
नियम	Rule
नीति	Policy
सचिव	Secretary
घोषणा	Announcement

आने वाली अन्य व्यवसायी या फर्म को लिखे जाते हैं उन्हें व्यवसायिक पत्र कहा जाता है ।

1.हिन्दी भाषा का महत्त्व समझाते हुए मित्र के नाम पत्र लिखिए ।

चित्तूर

दि: 4 सितम्बर, 2025

विषय : हिन्दी भाषा का महत्त्व समझाते हुए पत्र

प्रिय राजेश,

सप्रेम नमस्कार । आशा करता हूँ कि तुम स्वस्थ और प्रसन्नचित्त होगे। आज मैं तुम्हें हिन्दी भाषा के महत्त्व के विषय में अपने विचार साझा करने हेतु यह पत्र लिख रहा हूँ ।

जैसा कि हम जानते हैं, हिन्दी हमारी राज भाषा है । यह केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और इतिहासकी पहचान भी है। हिन्दी देश के कोने - कोने में बोली और समझी जाती है । यही वह माध्यम है जिससे हम अपने विचारों को सरलता से व्यक्त कर पाते हैं ।

आज भूमंडलीकरण के इस युग में भले ही अंग्रेज़ी का उपयोग बढ़ गया हो, परन्तु हिन्दी बोलने वालों की जन संख्या, साहित्यिक समृद्धि और सरलता के कारण इसका स्थान अद्वितीय है । सरकारी कामकाज, शिक्षा, साहित्य, सिनेमा, समाचार - हर क्षेत्र में हिन्दी की मजबूत पकड़ है । हमें गर्व होना चाहिए कि हम हिन्दी जैसी समृद्ध भाषा के वक्ता हैं । अतः हमारा कर्तव्य है कि हम हिन्दी का प्रयोग करें, इसे सम्मान दें और दूसरों को भी इसके उपयोग के लिए प्रेरित करें ।

आशा करता हूँ कि तुम भी मेरे इन विचारों से सहमत होगे और हिन्दी के प्रचार-प्रसार में सहयोग करोगे । पत्र का उत्तर शीघ्र देना ।

तुम्हारा प्रिय मित्र

संजीव

पता :

रमेश कुमार

6-2-240/2

गली नंबर - 5, शिवाजी नगर

ओंगोलू

2. बीमारी के कारण प्रधानाचार्य से छुट्टी मांगते हुए पत्र लिखिए।

नेल्लूर

05-09-2025

प्रेषक,

आयुष शर्मा

बी.एस्सी प्रथम वर्ष

शासकीय महाविद्यालय,

नेल्लूर, आंध्र प्रदेश ।

सेवा में,

प्रधानाचार्य,

शासकीय महाविद्यालय,

नेल्लूर, आंध्र प्रदेश ।

विषय : बीमारी के कारण पाँच दिन की छुट्टी हेतु प्रार्थना पत्र।

मान्य महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं, आयुष शर्मा, विगत कुछ दिनों से तेज बुखार से पीड़ित हूँ। डॉक्टर ने मुझे पूर्ण आराम करने की सलाह दी है। अतः कृपया मुझे दिनाक 6 सितम्बर 2025 से 10 सितम्बर 2025 तक कुल 5 दिन की छुट्टी प्रदान करने की कृपा करें ।

धन्यवाद ।

आपका आज्ञाकारी छात्र

आयुष शर्मा

3. पिता जी को पैसे मांगते हुए पत्र ।

विशाखपट्टनम

15 नवंबर, 2024

234, छात्रावास

आन्ध्र विश्वविद्यालय,

विशाखपट्टनम

पूज्य / आदरणीय पिता जी,

सादर प्रणाम !

आशा है कि आप स्वस्थ होंगे। मैं यहाँ कुशल मंगल हूँ। पतिा जी, मैं आपको यह पत्र इसलिए लिख रहा हूँ क्यों कि मुझे अपनी कॉलेज की फीस और किताबों के लिए 2000/- रुपये की आवश्यकता है ।

जैसा कि आप जानते हैं, इस महीने से मेरी नई कक्षाएँ शुरु हो गई हैं और मुझे कुछ नई किताबें खरीदनी हैं। साथ ही, कॉलेज की दूसरी किश्त भी जमा करनी है। मैं अपने खर्चों को बहुत सावधानी से नियंत्रित कर रहा हूँ, लेकिन यह एक आवश्यक खर्च है ।

कृपया यह राशि मेरे बैंक खाते में जल्द से जल्द भेज दें। मेरा खाता विवरण निम्नलिखित है:खाता संख्या: ×××××××××× बैंक का नाम: स्टेट बैंक ऑफ इंडिया IFSC कोड : SBIN0 XXXXXX

मैं अपनी पढ़ाई में पूरा मेहनत कर रहा हूँ। छोटी वहन को प्यार और माँ को प्रणाम ।

आपका प्रिय पुत्र

तरुण गुप्ता

पता :

विवेक गुप्ता,

मेनेजेर, बैंक आप बड़ोदा,

तिरुपति - 517501

आन्ध्र प्रदेश

4. पुस्तक विक्रेता के नाम पत्र लिखिए ।

विजयवाड़ा

ता : 14-09-2024

प्रेषक,

राम मनोहर

प्रथम बी.ए.,

दुर्गानगर,

विजयवाड़ा

सेवा में,

श्री राजेश कुमार

मैनेजर, आदर्श पुस्तक भंडार

सुल्तान बाजार

हैदराबाद

मान्य महोदय,

नीचे दिए गए यह पुस्तकें आप वी.पी.पी. द्वारा शीघ्र ही भिजवाने की कृपा करें। इसके लिए मैं सदैव आपका आभारी रहूँगा। उचित कमीशन भी देने की कृपा करें ।

मुझे निम्नलिखित पुस्तकों की जरूरत हैं -

1. हिन्दी व्याकरण - 1 प्रति
2. गणित - 1 प्रति
3. हिन्दी साहित्य - 1 प्रति
4. प्रेमचंद कहानी संग्रह - 1 प्रति

भवदीय,

राम मनोहर

5. व्यायाम का महत्त्व बताते हुए छोटे भाई को पत्र ।

अमरावती

दिनांक: 07 सितम्बर, 2025

विषय : व्यायाम के कहत्व पर पत्र

प्रिय भाई रोहित

स्नेहाशीष

आशा करता हूँ कि तुम स्वस्थ और प्रसन्नचित्त होगे । तुम्हारा पिछला पत्र पढ़कर यह जानकर अच्छा लगा कि पढ़ाई में तुम रुचि ले रहे हो, परंतु यह जानकर थोड़ी चिंता हुई कि तुम अब सुबह जल्दी नहीं उठते और शारीरिक गतिविधियाँ नहीं कर रहे हो ।

भाई, पढ़ाई के साथ - साथ अच्छे स्वास्थ्य का होना भी उतना ही आवश्यक है । व्यायाम न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ और सशक्त बनाता है, बल्कि यह मानसिक एकाग्रता और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है । जब शरीर स्वस्थ होता है, तब मन भी प्रसन्न रहता है और पढ़ाई में मन लगता है ।

प्रतिदिन सुबह थोड़ा समय योग, प्राणायाम या दौड़ने के लिए निकालो। यह आदत न केवल तुम्हारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगी, बल्कि अनुशासन और समय - प्रबंधन की भावना भी विकसित करेगी । आजकल की पढ़ाई और प्रतियोगिता के माहौल में मानसिक तनाव भी बढ़ रहा है, और व्यायाम इस तनाव को कम करने में अत्यंत सहायक है ।

आशा करता हूँ कि तुम मेरी बातों पर ध्यान दोगे और व्यायाम को अपने जीवन का नियमित हिस्सा बनाओगे । स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन रहता है । माँ - पिताजी को मेरा प्रणाम कहना । पढ़ाई और स्वास्थ्य दोनों में संतुलन बनाए रखो ।

तुम्हारा बड़ा भाई,

रवि शर्मा

पता :

रोहित शर्मा

बी.ए. प्रथम वर्ष

शासकीय महाविद्यालय

विशाखपट्टनम

6. गर्मियों की छुट्टीयों के बारे में वर्णन करते हुए मित्र को पत्र ।

विजयवाड़ा

दिनांक: 07 सितम्बर, 2025

विषय : गर्मियों की छुट्टीयों में अकतू घाटी यात्रा का अनुभव

प्रिय श्रीनिवास,

सप्रेम नमस्कार । आशा है कि तुम और तुम्हारा परिवार पूर्णतः स्वस्थ एवं प्रसन्नचित्त होंगे । तुम्हारा पिछला पत्र प्राप्त हुआ, जिसमें तुमने गर्मियों की छुट्टियों में अपने गाँव जाने की बात लिखी थी । आज मैं तुम्हें अपनी गर्मियों की छुट्टियों में की गई अरकू घाटी (Araku Valley) यात्रा का अनुभव साझा कर रहा हूँ ।

तुम तो जानते ही हो कि गर्मी की छुट्टियाँ थकावट दूर करने और कुछ नया अनुभव करने का सुनहरा अवसर होती हैं । इस बार मैं अपने परिवार के साथ अरकू घाटी गया, जो विशाखापट्टनम से लगभग 120 किलोमीटर दूर स्थित है और अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है।

हम विशाखापट्टनम से अरकू तक ट्रेन से गए । रास्ते में कई सुरंगें, झरने और पहाड़ियों से घिरे रास्ते देखकर मन मंत्रमुग्ध हो गया । विशेष रूप से बोरा गुफाएँ (Borra Caves) और वहाँ की चूना-पत्थर की अद्भुत संरचनाएँ

देखने लायक थीं । इन गुफाओं की प्राकृतिक बनावट और अद्वितीय आकार-प्रकार देखकर मैं विज्ञान के अद्भुत चमत्कारों को समझ सका ।

अरकू घाटी का मौसम अत्यंत सुखद था - ठंडी हवाएँ, हरियाली और चारों ओर पहाड़ों की गोद में बसा शांत वातावरण । हमने वहाँ का प्रसिद्ध कॉफी म्यूज़ियम भी देखा और वहाँ की ताज़ी स्थानीय कॉफी का स्वाद लिया। वहाँ के आदिवासी जन - जीवन और उनकी सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी बहुत आकर्षक थीं ।

होटल की बजाय हमने वहाँ एक होमस्टे में ठहरना पसंद किया, जिससे वहाँ के जीवन को और नज़दीक से जानने का अवसर मिला । वहाँ के लोग सरल, स्नेही और बहुत आतिथ्यशील थे । इस यात्रा ने मुझे प्रकृति के करीब ला दिया और गर्मियों की तपन को जैसे पूरी तरह मिटा दिया। अब जब कॉलेज फ़िर से शुरू हो गया है, तो पढ़ाई के साथ - साथ उस यात्रा की मधुर यादें मन को प्रसन्न रखती हैं ।

आशा है कि तुम भी अपनी छुट्टीयों का भरपूर आनंद ले रहे होगे। तुम्हारे अनुभव जानने की प्रतीक्षा रहेगी । पत्र का उत्तर अवश्य देना ।

तुम्हारा मित्र

अभय जोशी

पता :

श्रीनिवास राव

बी.कॉम.प्रथम वर्ष

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सुभाष नगर

गुंटूर (आंध्र प्रदेश)